सर्किट की ये जो जगहें हैं, ये अयोध्या और काशी के आस-पास ही हैं। मैं खास कर कपिलवस्तु के बारे में कहूँगा कि हम लोग उसको उतना कैश नहीं कर पाए। अभी वहाँ पर पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, होटल्स नहीं हैं, रुकने के अच्छे स्थान नहीं हैं और वहाँ पर पहुँचने का रास्ता केवल गोरखपुर से है तथा ट्रेन की व्यवस्था है। बस्ती से वहाँ तक बहुत अच्छी सड़क बन चुकी है। मेरा भारत सरकार से यह अनुरोध है कि जो बुद्धिस्ट सर्किट है, उसको सुदृढ़ किया जाए।

**उपसभाध्यक्ष** (**श्रीमती सीमा द्विवेदी**)**:** माननीय सदस्या, संगीता यादव जी ।

**Importance of menstrual hygiene among young girls and women in the country**

**श्रीमती संगीता यादव** (उत्तर प्रदेश)**:** उपसभाध्यक्ष महोदया, आपने मुझे भारत में किशोर लड़कियों और महिलाओं के मासिक धर्म स्वास्थ्यता संबंधी 'राइट टू हाइजीन' पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करती हूँ। यह एक ऐसा विषय है, जो देश की 50 परसेंट आबादी से जुड़ा हुआ है। 2017 से लेकर 2022 तक जब मैं एमएलए थी, तो मैं लगातार सभी बड़े स्कूलों में जितनी बड़ी बच्चियाँ थीं, जो 11 साल से ऊपर की थीं, उन सभी स्कूलों में तथा जो सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाएँ थीं, उनमें मैंने हमेशा फ्री नैपकिन्स बाँटने का काम किया और इसके लिए जागरूकता अभियान भी चलाया। इसमें गाँव के प्रधान, पूर्व प्रधान और जो प्रशासनिक अधिकारी थे, हमें उन सबका सहयोग मिला। पहली बार ग्रामीण क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बना। इससे पहले यह विषय हमेशा बंदिशों में ही रहता था।

महोदया, हम लोगों ने हजारों महिलाओं और बच्चियों को गर्भाशय से जुड़ी हुई अनेक बीमारियों से बचाया। मैं इस संबंध में जीरो ऑवर के माध्यम से कुछ अपील करना चाहती हूँ।

(**उपसभापति महोदय** *पीठासीन हुए।*)

महोदय, माननीय मोदी जी ने भी 'लाल किले' से इस मुद्दे पर चर्चा की है और जब से 'पैडमैन' मूवी आई, तब से यह और ज्यादा विस्तृत तौर पर चर्चा का विषय बना। लेकिन आज भी 'पाँचवें राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण' के अनुसार केवल 36 परसेंट महिलाएँ ही सैनिटरी नैपकिन्स का उपयोग करती हैं, बाकी महिलाएँ आज भी अज्ञानतावश अस्वच्छ सामग्री का ही उपयोग करती हैं। इसके कारण बच्चियों और महिलाओं में बहुत ज्यादा गंभीर बीमारियाँ फैल रही हैं। सरकार इसमें अच्छा काम कर रही है, हमारे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी इससे जुड़े हुए हैं, लेकिन इसको मिशन मोड में करने की आवश्यकता है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सिर्फ इतनी ही अपील करती हूँ कि इसको मिशन मोड में किया जाए, क्योंकि देश की आजादी के इतने वर्षों बाद भी 'राइट टू हाइजीन' आज भी समस्या बना हुआ है।

महोदय, यूट्रस कैंसर एक ऐसा कैंसर है, जो ज्यादातर फोर्थ स्टेज में ही मालूम पड़ता है और यह इसी से जुड़ा हुआ है। इसके साथ ही बांझपन की समस्या, संक्रमण की समस्या, आदि हैं। सर्वाइकल कैंसर, जिसके बारे में अभी बजट में भी माननीय मोदी जी ने रखा है। हमने उस पर चर्चा

की है। अगर हमने इस पर काम किया, तो हम अपनी 50 प्रतिशत आबादी को बहुत-सी बीमारियों से बचा पाएँगे।

महोदय, मैं आपके माध्यम से दो और अपील करूँगी। पहली तो यह है कि सरकार इस पर अभी जो मिशन मोड में काम कर रही है, उस काम में हमारे जो लोकल जनप्रतिनिधि हैं, उनको शामिल किया जाए। इसके साथ ही इसमें लोकल एनजोओज़ को भी शामिल किया जाए, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shrimati Sangeeta Yadav: Dr. Santanu Sen (West Bengal), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra) and Shrimati Vandana Chavan (Maharashtra).

---

12.00 **NOON**

## ORAL ANSWERES TO QUESTIONS

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Question Hour.

### Price and supply of CNG

*16. SHRI R. GIRIRAJAN: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether the price of CNG has doubled in the last 18 months from ₹ 43 per Kg to ₹ 86 per kg and if so, the details thereof and the reasons therefor;

(b) the steps taken to reduce the price of CNG and to increase the supply of CNG in retail outlets;

(c) whether Government expects the price to rise further due to the status of OPEC under the prevailing Russia-Ukraine war crisis and if so, the details thereof; and

(d) Government's stand on this issue which affects directly or indirectly every individual in the country?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI HARDEEP SINGH PURI): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.